(The paper consists of two pages)

10-08-2017 **5180**

B.Sc. Nursing (Pt.-I)

B.Sc. Nursing Part-I (Remanded) Examination

August - 2017

HINDI

Time: Three Hours,

Maximum Marks: 80

Attempt any FIVE questions.

All questions carry equal marks.

---

1) निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(क) एसौ को उदार जग माहीं। 04

बिनु सेवा जो द्रवैदीन पर, राम सरिस कोऊ नाहीं।
जो गति जोग बिराग जतन करि नहिं पावत मुनि ज्ञानी।
सो गति देत गीध सबरी कहँ प्रभु न बहुत जिय जानी।।
जो सम्पति दस सीस अरपि करि रावन सिव पहँ लीन्हीं।
सो संपदा बिभीषन कहँ अति सकुच–सहित हरि दीन्हीं।।
तुलसीदास सब भाँति सकल सुख जो चाहसि मन मेरो।
तौ भजु राम, काम सब पूरन करै कृपा निधि तेरो।।

अथवा

खैर, खून, खाँसी, खुसी, बैर, प्रीति, मदपान।
रहिमन दाबे ना दबैं, जानत सकल जहान।।
रहिमन बिगरी आदि की, बनै न खरचे दाम।
हरि बाढ़े आकाश लौं, तऊ बावनै नाम।।

(ख) मूर्छित थीं इन्द्रियाँ, स्तब्ध जग, 04

जड़–चेतन सब एकाकार,
शून्य विश्व के उर में केवल
साँसों का आना–जाना।

अथवा

दलित जन पर करो करुणा।
दीनता पर उतर आये
प्रभु, तुम्हारी शक्ति अरुणा।
हरे तन–मन प्रीति पावन,
मधुर हो मुख मनोभावन,
सहज चितवन पर तरंगित
हो तुम्हारी किरण–तरुणा।

(ग) उसके असाधारण रंग , अनोखी बनावट तथा वन तुलसी की गन्ध से सुवासित और बुरुश के फूलों की लाल और जंगली गुलाब की सफेद पंखुड़ियों का पता देने वाली दराजों ने मौन में जो कहा उसे मेरी कल्पना ने रंगीन रेखाओं में बाँध लिया। हमारे प्रत्यक्ष ज्ञान से भी कल्पना और अनुमान अपना धूप छाँही ताना–बाना बुनते रहते हैं। ऐसी स्थिति में यदि उन्हें प्रत्यक्ष ज्ञान की सीमा से परे निर्बन्ध सृजन का अधिकार मिल सके तो उनकी स्वच्छन्द क्रियाशीलता के संबंध में कुछ कहना ही व्यर्थ है। 04

अथवा

सिराम बोली का थोड़ा अकड़ू `सेर' है, पर उसकी `तीजण' है पूरी `सवा सेर' । अकाल पड़े तो पहले वाली दो इधर–उधर हो गयीं या पता नहीं, मर गयीं। अब इस तीजण से नाता जुड़ चुका है, जो खुद बाल–बच्चों वाली थी। भटकती हुई सिराम के घर आ बैठी। तीन साल से उसकी आँट में है, गोद भी फिर `हरी' हो गयी है।

(घ) समाजवाद परेशान है। उधर जनता भी परेशान है समाजवाद आने को तैयार खड़ा है, पर समाजवादियों में आपस में धौल–धप्पा हो रहा है। समाजवाद एक तरफ उतरना चाहता है कि उस पर पत्थर पड़ने लगते हैं। `खबरदार, उधर से मत आना!' एक समाजवादी उसका एक हाथ पकड़ता है, तो दूसरा हाथ पकड़कर खींचता है। तब बाकी समाजवादी छीना–झपटी करके हाथ छुड़ा लेते हैं। लहू–लुहान समाजवाद टीले पर खड़ा है। 04

अथवा

बाद के लोगों ने इस शनैश्चर को `सनीचर' बना डाला! सनीचर का नाम लेते ही अन्धविश्वासियों की रूह काँपने लगती है। फलित–ज्योतिषियों की पोथियों में इस ग्रह को इतना अशुभ माना गया है कि जिस राशि में इसका निवास होता है उसके आगे और पीछे की राशियों को भी यह छेड़ता है। एक बार यदि यह ग्रह किसी भी राशि में पहुँच जाए, तो फिर साढ़े सात साल तक उसकी खैर नहीं!

2. कबीर के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

अथवा

"पद्माकर के काव्य में रीतिकाल का प्रतिनिधित्व है," सिद्ध कीजिए।

3. सिद्ध कीजिए कि पंत प्रकृति के सुकुमार कवि हैं। 16

अथवा

गुप्तजी ने कैकेयी के चरित्र को किस प्रकार नया रूप दिया है? अपने शब्दों में सटीक वर्णन कीजिए।

4. `प्रणाम' संस्मरण के आधार पर महादेवी वर्मा की भाषा–शैली को स्पष्ट कीजिए। 16

अथवा

" `ठिठुरता हुआ गणतंत्र' व्यंग्य निबंध सामाजिक विसंगतियों और भ्रष्टाचार पर तीक्ष्ण प्रहार है।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

5. सरदार पूर्णसिंह ने कितने निबंध लिखे हैं और उन निबंधों की ऐसी कौन–सी विशेषताएँ हैं जो `मजदूरी और प्रेम' में भी मिलती हैं? 16

अथवा

गेहूँ और गुलाब शीर्षक निबंध में व्यक्त सांस्कृतिक भावना और लेखक की समन्वयवादी दृष्टि को स्पष्ट कीजिए।

6. (क) निम्न में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। 08

(i) भारतीय लोकतंत्र और उसका भविष्य

(ii) भारत की मौद्रिक नीति का पड़ौसी देशों पर प्रभाव

(iii) सांस्कृतिक एकता का भारत की प्रगति में योगदान

(ख) पुलिस अधीक्षक, जयपुर को एक पत्र लिखिए, जिसमें बढ़ रहे बुरे कार्यों पर नियंत्रण रखने का अनुरोध हो। 02

अथवा

जयपुर नगर निगम के महापौर को विद्युत व्यवस्था ठीक करवाने हेतु पत्र लिखिए।

(ग) निम्न में से किसी एक सूक्ति का पल्लवन कीजिए। 02

(i) मन चंगा तो कठौती में गंगा।

(ii) सौन्दर्य का पैमाना दृष्टिकोण पर निर्भर है।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं चार के विलोम शब्द लिखिए: 4 x ¼ = 01

(i) राग (ii) मृदु (iii) सात्विक (iv) सूक्ष्म (v) अनुकूल

(ड़) निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिए : 4 x ¼ = 01

(i) उज्जवल (ii) श्रीमति (iii) उपरोक्त (iv) लघुत्तर (v) चिन्ह

(च) निम्नलिखित शब्द –युग्मों में से किन्हीं दो के अर्थ लिखिए: 1 + 1 = 02

(i) ग्रह–गृह (ii) हरि–हरि (iii) ओर–और